विकास | दिसंबर 2023 के अंत तक पूरा हो जाएगा काम, शहर की यातायात व्यवस्था में होगा सुधार

मेट्रो-3 का 90 प्रतिशत काम पूरा, CM ने लिया जायजा

■ मुंबई, नवभारत न्यूज नेटवर्क. मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा है कि वर्तमान में मेट्रो-3 मार्ग लगभग 90 प्रतिशत पूरा हो चुका है और मेट्रो रेलवे का यह चरण दिसंबर 2023 के अंत तक पूरा हो जाएगा. उन्होंने कहा कि मुंबई शहर में ट्रैफिक की भीड़ को कम करने के लिए सबसे अच्छा पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम होना जरूरी है. मुंबईकरों की वह जरूरत मेट्रो रेल के जरिए पूरी की जाएगी. मंगलवार देर रात मुख्यमंत्री शिंदे ने चर्चगेट से विधान भवन तक मुंबई मेट्रो-3 के निर्माण का चलकर निरीक्षण किया और काम का पूरा अवलोकन किया. गौरतलब है कि मुंबई मेट्रो लाइन-3 जो कोलाबा से सीप्ज़ तक जाएगी. मुंबई के लिए प्रस्तावित पहली और एकमात्र पूरी तरह से भूमिगत मेट्रो लाइन है. शहर की यातायात व्यवस्था में सुधार के साथ-साथ वैकल्पिक परिवहन सुविधा के लिए इस सड़क का निर्माण कार्य प्रगति पर है. इससे ट्रैफिक का दबाव काफी हद तक कम हो जाएगा. मेट्रो में यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है. मुख्यमंत्री ने कहा कि अति उन्नत तकनीक का प्रयोग कर वायु एवं ध्वनि प्रदूषण न हो इसका ध्यान रखा गया है.

मेट्रो 1, 2, 6 और 9 के साथ-साथ मोनोरेल से जुड़ेगी

- गौरतलब है कि मेट्रो 3 रूट को मेट्रो-1, 2, 6 और 9 के साथ-साथ मोनोरेल से जोड़ा गया है. इसके अलावा उपनगरीय रेल लाइन को मुंबई हवाई अड्डों के अलावा चर्चगेट और छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से जोड़ा जाएगा.
- इसलिए, मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि परियोजनाएं समय पर पूरी हो जाएंगी. इस कोलाबा-बांद्रे-सिप्ज़ का रूट 33.5 किमी लम्बा है जिसमें 27 स्टेशन हैं, जिनमें से 26 भूमिगत हैं और एक भूमिगत है.
- यह मार्ग प्रमुख व्यावसायिक और रोजगार केंद्रों, अस्पतालों, शैक्षणिक संस्थानों, धार्मिक स्थलों, मनोरंजक सुविधाओं के साथ-साथ कालबादेवी, गिरगाँव, वर्ली, अंतरराष्ट्रीय और घरेलू हवाई अड्डों जैसे उपनगरीय रेल से जुड़े क्षेत्रों को कनेक्टिविटी प्रदान करेगा.

अब तक 3 ट्रेनें आ चुकी हैं मुंबई में

अब तक मेट्रो-3 की तीन ट्रेनें मुंबई में आ चुकी हैं, जबकि दो और ट्रेनें आंध्र प्रदेश के ओस्टोम कारखाने से मुंबई के लिए रवाना हो गई हैं. इन ट्रेनों के 17 या 18 मई तक मुंबई पहुंचने की उम्मीद है. इसके बाद बाकी 4 ट्रेनें हर महीने 2 बार मुंबई में प्रवेश करेंगी. 2024 तक मेट्रो-3 के 8-8 कोच वाली 31 ट्रेनों का संचालन होगा और 2041 तक मेट्रो-3 प्रतिदिन 6.65 लाख वाहनों को कम कर देगी. इस मार्ग से हर साल 2.61 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन में कमी आएगी.

यह मेट्रो-3 रेलवे यात्रियों के समय की बचत करेगी और सड़क पर छह लाख वाहनों की संख्या को भी कम करेगी. विकास परियोजनाओं में कोई देरी नहीं होगी. आरे के कार शेड का विषय समाप्त हो गया है और मेट्रो रेलवे के अधिकारी और कर्मचारी पूरी क्षमता से काम कर रहे हैं.

-एकनाथ शिंदे, मुख्यमंत्री

दो चरणों में हो रहा काम

- पहले चरण में आरे से बीकेसी तक का काम किया जा रहा है, जिसमें कुल 10 स्टेशन हैं. 12.44 किमी लम्बा रूट के पहले चरण का कुल 87.2% काम पूरा हो गया है. दूसरे चरण में बीकेसी से कफ परेड तक का काम है, जिसमें कुल स्टेशन 17 हैं और इनके बीच की दूरी दूरी 21.35 किमी है.
- यह रूट जून 2024 में शुरू होगा. इसके अलावा, कफ परेड से नेवी नगर तक मेट्रो मार्ग-3 का दक्षिण मुंबई में विस्तार किया जा रहा है, जिसकी कुल लंबाई 2.5 किमी है. इसके बीच में बस एक स्टेशन नौसेना नगर स्टेशन होगा और इसकी अनुमानित लागत लगभग 2400 करोड़ है.